सावित्रीबाई फुले की 193 वीं जयंती

स्रोत: इकोनोमिक टाइम्स

हाल ही में **प्रधानमंत्री ने 3 जनवरी, 2025** को सावित्रीबाई फुले को उनकी **193वीं जयंती** पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

- सावित्रीबाई को **रूढ़िवादी समाज के कड़े विरोध का सामना** करना पड़ा, उन्होंने **पत्थरबाजी और दुर्व्यवहार** सहित शारीरिक और सामाजिक प्रतिघातों को सहन किया।
- **सावित्रीबाई फुले के बारे में:**
  - **जन्म:** उनका जन्म **3 जनवरी 1831** को महाराष्ट्र के सतारा में हाशिये पर रहने वाले **माली समुदाय** में हुआ था। उनका विवाह ज्योतिबा फुले से हुआ जिन्होंने उनकी शिक्षा का दायित्व संभाला।
    - उन्होंने **दो शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों** में प्रवेश लिया: एक अहमदनगर में **अमेरिकी मिशनरी सिंथिया फरार** के साथ और दूसरा **पुणे के नॉर्मल स्कूल** में।
  - **योगदान:**
    - **महिलाओं के लिये शिक्षा: वर्ष 1848 में पुणे** में लड़कियों के लिये पहला स्कूल स्थापित किया गया। इस दंपति ने **कुल 18 स्कूल** शुरू किये और चलाए।
    - **दलितों के लिये प्रयास:** दलित समुदाय के उत्थान के लिये **नेटिव मेल स्कूल, पुणे** और **सोसाइटी फॉर प्रमोटिंग द एजुकेशन ऑफ महार, मंग्स (Mangs)** जैसे शैक्षिक ट्रस्टों की शुरुआत की।
    - **लैंगिक मुद्दों का मुकाबला: वर्ष 1863** में, ज्योतिराव और सावित्रीबाई ने **बालहत्या प्रतिबंधक गृह** की स्थापना की, जो कन्या भ्रूण हत्या का मुकाबला करने और **गर्भवती ब्राह्मण विधवाओं और बलात्कार पीड़ितों** की सहायता के लिये भारत का पहला गृह था।
    - **साहित्य:** ***[illegible]*** (1854) और ***[illegible] (1892)*** नामक **दो प्रसिद्ध कृतियाँ** लिखीं, साथ ही कविता **'गो, गेट एजुकेशन'** भी लिखी।
- 19 वीं सदी के **समाज सुधारक** ज्योतिराव फुले ने अपनी पुस्तक गुलामगिरी में सामाजिक उत्पीड़न की आलोचना की और शिक्षा, समानता को बढ़ावा देने और अस्पृश्यता को समाप्त करने के लिये **वर्ष 1873** में सत्यशोधक समाज की स्थापना की।

और पढ़ें: सावित्रीबाई फुले

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/193rd-birth-anniversary-of-savitribai-phule